# अध्याय- चतुर्थ

# प्रदत्तों का विश्लेषण

# एवं व्याख्या

# अध्याय–4

## प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

### 4.1 भूमिका :

प्रदत्तों को विश्लेषण एवं व्याख्या शोध प्रक्रिया के आगमन तथा निगमन तर्क के प्रयोग को व्यक्त करती है। स्वनिर्मित परिकल्पना हेतु प्रदत्तों का समूह व उपसमूह में विभाजन कर विश्लेषण तथा अंतिम परिणाम ज्ञात किया जाता है। जो नवीन सिद्धांत की खोज अथवा सामान्यीकरण के रूप से होता है। प्रदत्तों के विश्लेषण के अंतर्गत उनकी उपलब्धियों की तुलना अनेक परीक्षण द्वारा कर शोध के उद्देश्यों का निर्णय प्राप्त निष्पतियों द्वारा किया जाता है।

### 4.2 परिकल्पनाओं का परीक्षणः–

प्रस्तुत अध्ययन में उचित सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग करके प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है। इस शोध अध्ययन में परिकल्पनाओं की जाँच करने के उपरांत प्रस्तुतीकरण के लिए शोध समस्या के अध्ययन से निकले परिणामों की व्याख्या की गई है जो अंग्राकित सारणियों में प्रस्तुत है।

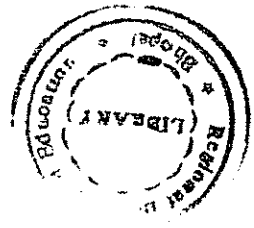

परिकल्पना–1

"कक्षा आठवी के छात्रों तथा छात्राओं की हिंदी भाषा के प्रति रूचि एवं योग्यता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।"

तालिका क्रमांक –4.1

कक्षा आठवी के छात्रों तथा छात्राओं की हिंदी भाषा में रूचि एवं योग्यता के मध्य मानों की तुलना।

| चर | संख्या (N) | मध्यमान (M) | मानक विचलन (sd) | मुक्तांश (df) | टी. मूल्य (t) |
|---|---|---|---|---|---|
| हिंदी भाषा में रूचि | 200 | 68.49 | 10.83 | 198 | 6.96 |
| हिंदी भाषा की योग्यता | | 32.86 | 10.37 | | |

**N = 200** * टी मूल्य 0.05 स्तर पर सार्थक है।

तालिका क्रमांक 4.1 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि छात्रों तथा छात्राओं की हिन्दी भाषा के प्रति रूचि एवं योग्यता का टी मूल्य 6.96 है। जो 0.05 के स्तर पर सार्थक है जो कि यह मान सार्थकता हेतु टी वांछित मूल्य (1.97) से अधिक है। अतः 0.05 स्तर पर यह परिकल्पना अस्विकृत की जाती है।

निष्कर्ष :–

उपरोक्त परिणामों के आधार पर निष्कर्ष निकाला जाता है कि कक्षा आठवी के छात्रों एवं छात्राओं के बीच हिन्दी भाषा में रूचि एवं योग्यता में सार्थक अंतर पाया गया है।

## परिकल्पना : 2

कक्षा आठ के छात्रों तथा छात्राओं की हिंदी भाषा के प्रति रूचि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

### तालिका क्रमांक : 4.2

छात्रों तथा छात्राओं की हिंदी भाषा के प्रति रूचि के मध्यमानों की तुलना

| लिंग | संख्या (N) | मध्यमान (M) | मानक विचलन (S.D.) | मुक्तांश (df) | 'टी' मूल्य 't' |
|---|---|---|---|---|---|
| छात्र | 112 | 66.32 | 10.81 | 198 | 0.001 |
| छात्राऐं | 88 | 71.25 | 10.21 | | P<0.05 |

N = 200

तालिका क्रम 4.2 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि छात्रों तथा छात्राओं की हिंदी भाषा के प्रति रूचि का टी मूल्य 0.001 है यह मान 0.005 स्तर पर सार्थक नहीं है।

जो कि वह मान सार्थकता हेतु टी की वांछित मूल्य (1.97) से कम है अतः 0.05 स्तर पर यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

**निष्कर्ष :-**

उपरोक्त परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है कि कक्षा आठवी के छात्रों तथा छात्राओं की हिंदी भाषा के प्रति रूचि में सार्थक अंतर नहीं है।

## परिकल्पना : 3

"शासकीय तथा अशासकीय विद्यालय के छात्रों तथा छात्राओं की हिंदी भाषा के प्रति रूचि में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।"

### तालिका क्रमांक–4.3

शासकीय तथा अशासकीय विद्यालय के छात्रों तथा छात्राओं की हिंदी भाषा रूचि के मध्यमानों की तुलना करना।

| विद्यालय का प्रकार | संख्या (N) | मध्यमान (M) | मानक विचलन (S.D.) | मुक्तांश (df) | 'टी' मूल्य 't' |
|---|---|---|---|---|---|
| शासकीय | 100 | 70.48 | 10.93 | 198 | 0.009 |
| अशासकीय | 100 | 66.5 | 10.36 | | P < 0.05 |

N = 200

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3 का व्यवस्थित रूप से जाँच (अवलोकन) करने से ज्ञात होता है कि शासकीय शाला में पढ़ने वाले विद्यार्थियों तथा अशासकीय शाला में पढ़ने वाले छात्रों की हिंदी भाषा के प्रति रूचि टी मूल्य 0.009 है। यह मान 0.05 स्तर पर देखा जाये तो सार्थक नहीं है। जो कि वह मान सार्थकता के लिये टी का वांछित मूल्य (1.97) से कम है। अतः 0.05 स्तर पर एक उपयोगी परिल्पना स्वीकृत की जाती है।

**निष्कर्ष :–**

उपरोक्त परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है कि शासकीय तथा अशासकीय शाला में पढ़ने वाले छात्रों तथा छात्राओं की हिंदी भाषा रूचि में अधिक अंतर नहीं है।

परिकल्पना : 4

"कक्षा आठवी के छात्रों तथा छात्राओं की हिंदी योग्यता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।"

तालिका क्रमांक 4.4

कक्षा आठवी के छात्रों तथा छात्राओं की हिंदी योग्यता के मध्यमानों की तुलना।

| लिंग | संख्या (N) | मध्यमान (M) | मानक विचलन (S.D.) | मुक्तांश (df) | 'टी' मूल्य 't' |
|---|---|---|---|---|---|
| छात्र | 112 | 33.75 | 9.73 | 198 | 0.17 |
| छात्राऐं | 88 | 31.72 | 11.03 | | P<0.05 |

N= 200

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.4 में दिये गये आँकडों के अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि कक्षा आठवी में पढने वाले छात्रों एवं छात्राओं की हिन्दी योग्यता का 'टी' मूल्य 0.17 है यह मान 0.05 स्तर पर इस परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

निष्कर्षः-

उपरोक्त परिणामों को जाँच करने से यह निष्कर्ष निकलता है कि कक्षा आठवी में पढ़ने वाले छात्रों एवं छात्राओं की हिंदी भाषा योग्यता के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।

## परिकल्पना 5

"शासकीय तथा अशासकीय विद्यालय के छात्रों तथा छात्राओं की हिंदी भाषा योग्यता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।"

### तालिका क्रमांक – 4.5

शासकीय तथा अशासकीय विद्यालय के छात्रों तथा छात्राओं की हिंदी भाषा योग्यता के मध्यमानों की तुलना।

| विद्यालय का प्रकार | विद्यार्थियों की संख्या (N) | मध्यमान (M) | मानक विचलन (S.D.) | मुक्तांश (df) | 'टी' मूल्य 't' |
|---|---|---|---|---|---|
| शासकीय | 100 | 27.35 | 9.42 | 198 | 6.077 |
| अशासकीय | 100 | 38.37 | 1.11 | | |

N = 200 * टी मूल्य 0.05 स्तर पर सार्थक है।

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.5 में दर्शाए गये आंकड़ों` अवलोकन करने से यह ज्ञात होता है कि शासकीय शाला में पढ़ने वाले छात्रों छात्राऐं तथा अशासकीय शाला में पढ़ने वाले छात्रों छात्राओं की हिंदी भाषा योग्यता का टी मूल्य 6.077 है। जो 0.05 के स्तर पर सार्थक है जो कि यह मान सार्थकता हेतु टी का वांछित मूल्य (1.97) से अधिक है अतः 0.05 स्तर पर यह परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

**निष्कर्षः–**

उपरोक्त प्राप्त परिणामों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि शासकीय शाला के छात्रों छात्राऐं एवं अशासकीय शाला के छात्रों तथा छात्राओं की हिंदी भाषा योग्यता में सार्थक अंतर पाया गया है।